

Theories of Ethics



Virtue Ethics
गुण नैतिकता



Utilitarianism
उपयोगितावाद



Deontological Ethics
कर्तव्यपरक नैतिकता



Justice
न्याय



Relativism
सापेक्षवाद

Ethics is a branch of philosophy that studies human behavior and the difference between **right and wrong**. It also examines the rational justification for moral judgments

नैतिकता (एथिक्स) दर्शनशास्त्र की एक शाखा है जो मानव व्यवहार और सही और गलत के बीच अंतर का अध्ययन करती है। यह नैतिक निर्णयों के लिए तर्कसंगत औचित्य की भी जांच करती है।

Three key moral philosophies तीन प्रमुख नैतिक दर्शन



Consequentialism
परिणामवाद

focuses on consequences of actions.
कर्मों के परिणामों पर ध्यान केंद्रित करता है।



Deontology
कर्तव्यवाद

focuses on duties.
कर्तव्यों पर ध्यान केंद्रित करता है।



Virtue Ethics
गुण नैतिकता

focus on character.
चरित्र पर ध्यान केंद्रित करता है।



A reporter's moral dilemma to whether to report a sensitive issue that might have a negative impact on the lives of the people.

एक पत्रकार के लिए नैतिक दुविधा यह तय करना होती है कि ऐसी संवेदनशील खबर को प्रकाशित किया जाए या नहीं, जिसका लोगों के जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।



JRF Media Academy by Rohit

Rohit Yadav

PhD Scholar at
Central University of Rajasthan

JRF Media Academy



UGC-NET PAPER 1

FULL COURSE

✓ Let's Find Out Every Concept in Detail.



COMPLETE SYLLABUS – TOPIC WISE



LATEST PYQ's WITH DETAILED SOLUTIONS



TOPIC-WISE VIDEO LECTURES



HINDI & ENGLISH



MASS COMMUNICATION
PAPER 2

FULL COURSE



UGC-NET by **Rohit**

UGC-NET Paper 1 Complete Syllabus with
Latest PYQ's Solutions.

“

“Do unto others as you would have them do unto you”
जैसा व्यवहार आप अपने लिए चाहते हैं, वैसा ही दूसरों के साथ करें।

Immanuel Kant

”

Ethical actions follow universal moral laws.

DEONTOLOGY

कर्तव्य का सिद्धांत

In order to act in the morally right way, people must act on duty
नैतिक रूप से सही कार्य करने के लिए, लोगों को अपने कर्तव्य का पालन करना चाहिए।

Immanuel Kant is considered the founder of Deontological ethics
इममानुएल कान्ट को दायित्व नैतिकता का जनक माना जाता है।

- The word deontology derives from the Greek word 'DEON' which means **duty**.
दायित्व शब्द ग्रीक शब्द 'DEON' से बना है, जिसका अर्थ है **कर्तव्य**।
- It gives equal importance to the means as to the end.
यह साधनों और परिणामों दोनों को समान महत्व देता है।
- Deontology is the science of duty.
दायित्व नैतिकता कर्तव्य का विज्ञान है।
- It is based on fixed moral rules or duties; actions are judged as right or wrong based on adherence to these rules, independent of their outcomes.
यह निश्चित नैतिक नियमों या कर्तव्यों पर आधारित है; कार्यों को उनके परिणामों से स्वतंत्र रूप से, इन नियमों के पालन के आधार पर सही या गलत माना जाता है।
- **Universal Principles:** It often involves universal moral principles that apply to everyone, such as "Do not harm" or "Keep your promises."
सार्वभौमिक सिद्धांत: इसमें अक्सर सार्वभौमिक नैतिक सिद्धांत शामिल होते हैं जो सभी पर लागू होते हैं, जैसे "हानि न पहुंचाएं" या "अपने वादे निभाएं"।



Immanuel Kant



JRF Media Academy *by Rohit*

CATEGORICAL IMPERATIVE

“Act only on that maxim through which you can at the same time will that it should become a universal law.”
केवल उस सिद्धांत पर कार्य करो जिसके बारे में आप एक ही समय में यह चाह सकते हैं कि वह एक सार्वभौमिक कानून बन जाए।”



- The categorical imperative is a key concept in Immanuel Kant's deontological moral philosophy.
श्रेणीबद्ध अनिवार्य एक प्रमुख अवधारणा है इममानुएल कांट के कर्तव्यनिष्ठ नैतिक दर्शन में।



- It evaluates actions based on the principle of acting only on maxims that could be universal laws.
यह कार्यों का मूल्यांकन इस सिद्धांत के आधार पर करता है कि केवल ऐसे सिद्धांतों पर कार्य किया जाए जो सार्वभौमिक कानून बन सकते हैं।



- "Act only according to that maxim whereby you can at the same time will that it should become a universal law."
केवल उस सिद्धांत पर कार्य करो जिसके बारे में आप एक ही समय में यह चाह सकते हैं कि वह एक सार्वभौमिक कानून बन जाए।



- Categorical imperatives establish universal laws of morality, defining an action or deed as moral if it is universal, impartial, and rational.
श्रेणीबद्ध अनिवार्य नैतिकता के सार्वभौमिक कानून स्थापित करते हैं, किसी कार्य को नैतिक तब मानते हैं जब वह सार्वभौमिक, निष्पक्ष और तर्कसंगत हो।



IMMANUEL KANT



MATCH THE FOLLOWING ETHICAL CONCEPTS WITH THEIR ORIGINATORS:

ETHICAL CONCEPTS

- a Virtuous communication 
- b Obey the professional duty 
- c Principles of utilitarianism 
- d Veil of ignorance 

ORIGINATORS

- 1 John Stuart Mill
- 2 John Rawls
- 3 Aristotle
- 4 Immanuel Kant



CHOOSE THE CORRECT OPTION FROM THOSE GIVEN BELOW:

- 1 A2, B1, C4, D3
- 2 **A3, B4, C1, D2** 
- 3 A4, B2, C3, D1
- 4 A1, B3, C2, D4



The ethical classification of categorical imperatives was supported by

(A) Immanuel Kant 

(B) Lord Bryce



To which ethical theory does the statement Do unto others as you would have them do unto you belong?

(A) Categorical imperatives 

(B) Utilitarian

(C) Relativism

(D) Golden mean





→ CONSEQUENTIALISM / TELEOLOGICAL ←



Moral rightness of an action is determined solely by its result

If consequences are good, then the act is right:
if they are bad, the act is wrong.

किसी कार्य की नैतिकता केवल उसके परिणाम से निर्धारित होती है।
यदि परिणाम अच्छे हैं, तो कार्य सही है; यदि परिणाम बुरे हैं, तो कार्य गलत है।

GOOD RESULT
सही परिणाम



BAD RESULT
गलत परिणाम



The word “**teleological**” comes from the Greek word **telos**, which means “end” or “purpose”

“teleological” शब्द ग्रीक शब्द **telos** से आया है, जिसका अर्थ “समाप्ति” या “उद्देश्य” होता है।



Teleological ethics, also known as consequentialist ethics, is a theory of morality that judges the morality of an action by its consequences.

टेलीओलॉजिकल एथिक्स, जिसे कॉसिक्वेंशियलिस्ट एथिक्स भी कहते हैं, नैतिकता का एक सिद्धांत है जो किसी कार्य की नैतिकता का मूल्यांकन उसके परिणामों से करता है।



An action that brings about more benefit than harm is good, while an action that causes more harm than benefit is not.

जो कार्य अधिक लाभ और कम हानि पहुँचाए वह अच्छा है, जबकि जो अधिक हानि और कम लाभ पहुँचाए वह अच्छा नहीं है।



If happiness was the experience of pleasure without pain, the most ethical actions were ones that caused the most possible happiness and the least possible pain.

यदि खुशी का अर्थ बिना दर्द के आनंद का अनुभव है, तो सबसे नैतिक कार्य वे होंगे जो अधिकतम खुशी और न्यूनतम दर्द का कारण बनें।



The most famous type of consequentialism is **utilitarianism**.

कॉसिक्वेंशियलिज्म का सबसे प्रसिद्ध प्रकार यूटिलिटेरियज्म है।



JRF Media Academy *by Rohit*



UTILITARIANISM

“Greatest good for the greatest number”
अधिकतम लोगों का अधिकतम कल्याण



The best action is the one that maximizes utility, typically defined as that which produces the **greatest well-being of the greatest number of people.**

सर्वोत्तम कार्य वह है जो उपयोगिता को अधिकतम करता है, जिसे सामान्यतः वह माना जाता है जो सबसे अधिक लोगों का सबसे अधिक कल्याण करता है।



MAXIMIZE WELL-BEING

कल्याण को अधिकतम करें

Focus on actions that increase overall happiness.

ऐसे कार्यों पर ध्यान दें जो समग्र खुशी बढ़ाएँ।



GREATEST NUMBER

अधिकतम लोगों के लिए

Consider the impact on the largest number of people.

सबसे अधिक लोगों पर पड़ने वाले प्रभाव को ध्यान में रखें।



EVALUATE CONSEQUENCES

परिणामों का मूल्यांकन करें

Judge actions based on their outcomes, not their intentions.

कार्य का मूल्यांकन उनके परिणामों के आधार पर करें, इरादों पर नहीं।



PROMOTE HAPPINESS

खुशी को बढ़ावा दें

Aim to create the greatest happiness with the least harm.

कम से कम हानि के साथ अधिकतम खुशी का लक्ष्य रखें।



Jeremy Bentham
जेरमी बेंथम

Jeremy Bentham is generally considered to be one of the founders of consequentialism and **utilitarianism.**

जेरमी बेंथम को सामान्यतः परिणामवाद (consequentialism) और उपयोगितावाद (utilitarianism) के संस्थापकों में से एक माना जाता है।

AUTHORS / FOUNDERS OF UTILITARIANISM | उपयोगितावाद के प्रमुख लेखक/संस्थापक



Jeremy Bentham
जेरमी बेंथम

Often regarded as the founder of utilitarianism.
अक्सर उपयोगितावाद के संस्थापक माने जाते हैं।



John Stuart Mill
जॉन स्टुअर्ट मिल

Developed and refined Bentham's ideas in 'Utilitarianism'.
'युटिलिटेरियनिज्म' में बेंथम के विचारों को विकसित और परिष्कृत किया।



Henry Sidgwick
हेनरी सिड्जविक

Integrated utilitarianism with intuitionist ethics.
उपयोगितावाद को अंतर्ज्ञानवाद (intuitionist ethics) के साथ जोड़ा।



अधिकतम लोगों का अधिकतम कल्याण
Greatest good for the greatest number





Utilitarianism

"Greatest good for the greatest number"

“अधिकतम लोगों का अधिकतम कल्याण”



Bentham's utilitarianism has been criticized for being "worthy of only swine" because he made no distinction between the pleasures experienced by beasts and those experienced by humans.

बेंथम के उपयोगितावाद की आलोचना इस आधार पर की गई है कि यह "सिर्फ सूअर के योग्य" है, क्योंकि उन्होंने पशुओं द्वारा अनुभव किए जाने वाले सुख और मनुष्यों द्वारा अनुभव किए जाने वाले सुख के बीच कोई भेद नहीं किया।



Jeremy Bentham
जेरमी बेंथम

is generally considered to be one of the founders of consequentialism and **utilitarianism**.

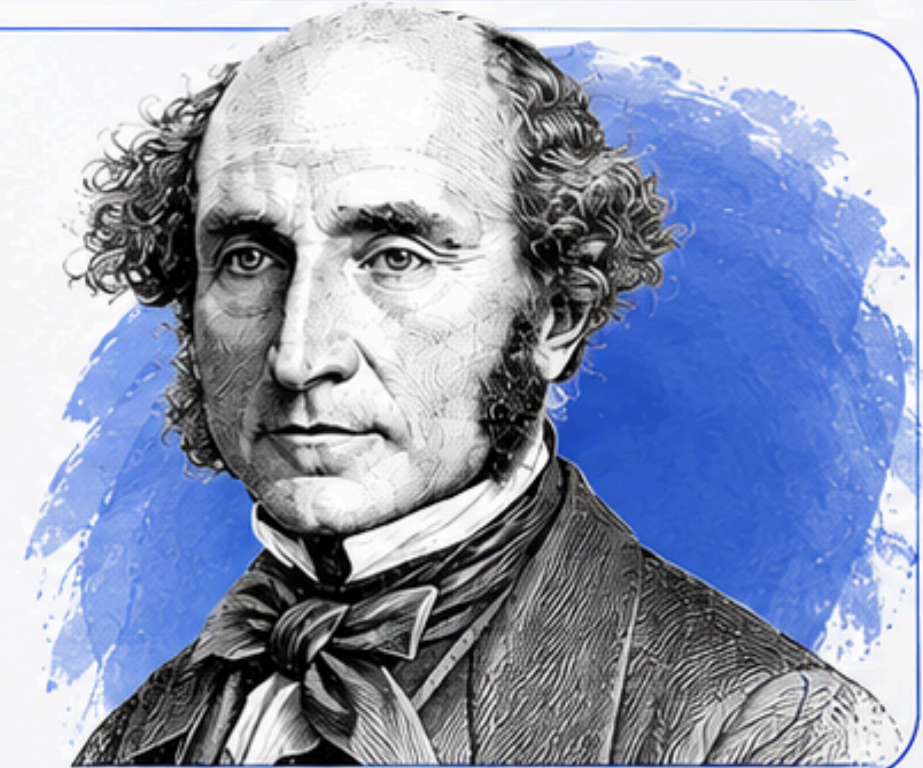
सामान्यतः उन्हें परिणामवाद और उपयोगितावाद का प्रमुख संस्थापक माना जाता है।



John Stuart Mill
जॉन स्टुअर्ट मिल

argues that the idea of **justice** is a powerful, instinctual moral feeling.

वे तर्क देते हैं कि न्याय का विचार एक शक्तिशाली, सहज और नैतिक भावना है।



John Stuart Mill introduced the distinction between higher and lower pleasures, arguing that some kinds of happiness are inherently more valuable than others.

जॉन स्टुअर्ट मिल ने उच्च और निम्न सुखों के बीच अंतर प्रस्तुत किया, यह तर्क देते हुए कि कुछ प्रकार के सुख स्वभावतः दूसरों की तुलना में अधिक मूल्यवान होते हैं।



JRF Media Academy by Rohit





The Trolley Problem



- This case study **challenges utilitarianism** by questioning whether it's right to actively cause harm to save more lives.

- यह केस स्टडी **उपयोगितावाद** (Utilitarianism) को चुनौती देती है कि क्या अधिक लोगों की जान बचाने के लिए नुकसान पहुँचाना सही है या नहीं।



- A trolley is headed towards five people tied up on the tracks. You have the power to **pull a lever, diverting the trolley** onto another track where only one person is tied up. The dilemma asks whether it is more ethical to do nothing and let the trolley kill five people or to intervene, sacrificing one to save five.

- एक ट्रॉली **पाँच लोगों** की ओर बढ़ रही है जो पटरी पर बंधे हैं। आप लीवर खींचकर ट्रॉली को दूसरी पटरी पर मोड़ सकते हैं, जहाँ केवल एक व्यक्ति बंधा है। दुविधा यह पुछती है कि क्या कुछ न करना (5 को मरने देना) अधिक नैतिक है या हस्तक्षेप करके **एक** को बलिदान देना (5 को बचाने के लिए)?



JRF Media Academy by Rohit



A THEORY OF JUSTICE



The Veil of Ignorance

Justice is the first virtue of social institutions, as truth is of systems of thought.

न्याय सामाजिक संस्थाओं का प्रथम गुण है, जैसे विचार प्रणालियों में सत्य का होता है।

A Theory of Justice

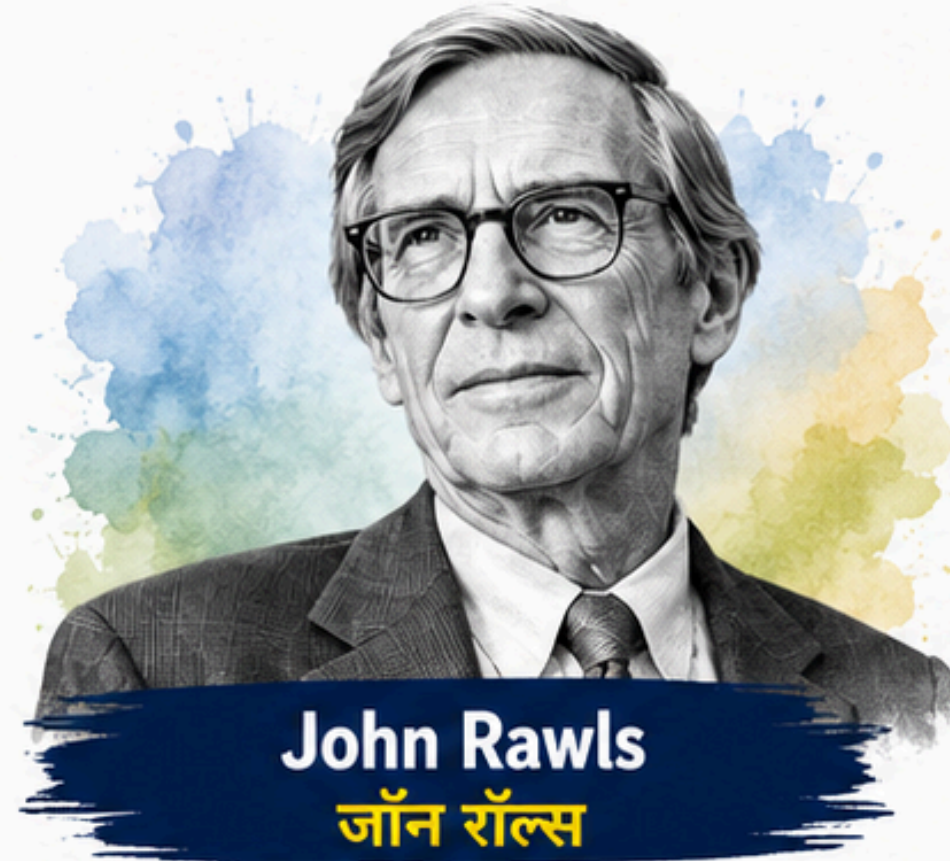
- John Rawls provides an alternative to Utilitarianism.
जॉन रॉल्स उपयोगितावाद का एक विकल्प प्रस्तुत करते हैं।
- The basis of society is a set of tacit agreements {"social contract"}.
समाज का आधार निहित समझौतियों का एक समुह है {"सामाजिक अनुबंध"}।
- Society should be structured so that the greatest possible amount of liberty is given to its members, limited only by the notion that the liberty of any one member shall not infringe upon that of any other member.

समाज को इस प्रकार संरचित किया जाना चाहिए कि सदस्यों को अधिकतम संभव स्वतंत्रता मिले, सीमित केवल इस विचार द्वारा कि किसी एक सदस्य की स्वतंत्रता अन्य सदस्य की स्वतंत्रता का हनन न करे।



Justice as Fairness

- 1 Principle of Equal Liberty
समान स्वतंत्रता का सिद्धांत
- 2 Principle of Fair Equality of Opportunity
अवसर की निष्पक्ष समानता का सिद्धांत



John Rawls
जॉन रॉल्स



John Rawls focuses on fair distribution of benefits and burdens.

जॉन रॉल्स लाभों और बोझ के निष्पक्ष वितरण पर केंद्रित करते हैं।



He rejects the Utilitarianism
वे उपयोगितावाद को अस्वीकार करते हैं।

Veil of Ignorance



- John Rawls suggests that we should imagine we sit behind a veil of ignorance that keeps us from knowing who we are and identifying with our personal circumstances.
जॉन रॉल्स सुझाते हैं कि हमें अज्ञानता के पर्दे के पीछे बैठने की कल्पना करनी चाहिए जो हमें यह जानने और अपनी व्यक्तिगत परिस्थितियों से पहचान करने से रोकता है।
- By being ignorant of our circumstances, we can more objectively consider how societies should operate.
अपनी परिस्थितियों से अनजान होकर, हम अधिक निष्पक्षता से विचार कर सकते हैं कि समाजों को कैसे संचालित किया जाए।



Virtue Ethics



A philosophical approach to morality that focuses on the moral character of the person performing an action.

एक दार्शनिक नैतिक दृष्टिकोण जो किसी कार्य को करने वाले व्यक्ति के नैतिक चरित्र पर केंद्रित होता है।



It has been derived from Aristotle's book **Nicomachean Ethics**

यह अरस्तु की पुस्तक निकोमैकीयन एथिक्स से व्युत्पन्न है।

Aristotle
अरस्तु



- Virtues are a characteristic disposition to think, feel, and act well in some domain of life. सदगुण जीवन के किसी न किसी क्षेत्र में सोचने, महसूस करने और अच्छा कार्य करने की एक विशेष प्रवृत्ति है।
- Virtues are a mean between an excess and a deficiency. सदगुण अतिरेक और कमी के बीच का मध्यम मार्ग है।
- Virtue ethics unifies what is required by morality and what is required by self-interest. वर्चु नैतिकता नैतिकता और आत्महित, दोनों की आवश्यकताओं को एकीकृत करती है।
- Virtue ethics assumes that we acquire virtue through practice. वर्चु नैतिकता मानती है कि हम अभ्यास के माध्यम में सदगुण प्राप्त करते हैं।



- Developed by **Aristotle** and other ancient Greeks, अरस्तु और अन्य प्राचीन यूनानियों द्वारा विकसित,
- the concept revolves around living a moral character. यह अवधारणा नैतिक चरित्र के साथ जीवन जीने के इर्द-गिर्द घुमती है।
- The goal of virtue ethics is to attain **eudemonia** (a state of happiness) वर्चु नैतिकता का लक्ष्य यूडेमोनिया (सुख की अवस्था) प्राप्त करना है।
- It suggests that virtue is cultivated through regular practice. यह सुझाव देती है कि नियमित अभ्यास से सदगुण का विकास होता है।



By practicing being honest, brave, just, generous, and so on, a person develops an honorable and moral character. ईमानदार, साहसी, न्यायप्रिय, उदार आदि का अभ्यास करके, एक व्यक्ति सम्मानित और नैतिक चरित्र विकसित करता है।



Virtue ethics helps us understand what it means to be a virtuous human being वर्चु नैतिकता हमें यह समझने में मदद करती है कि एक सदगुणी मानव होना क्या है।

Virtue is the golden mean between two vices, the one of excess and the other of deficiency.

सदगुण दो दोषों के बीच का स्वर्णिम मध्य मार्ग है, एक अतिरेक का और दूसरा कमी का।



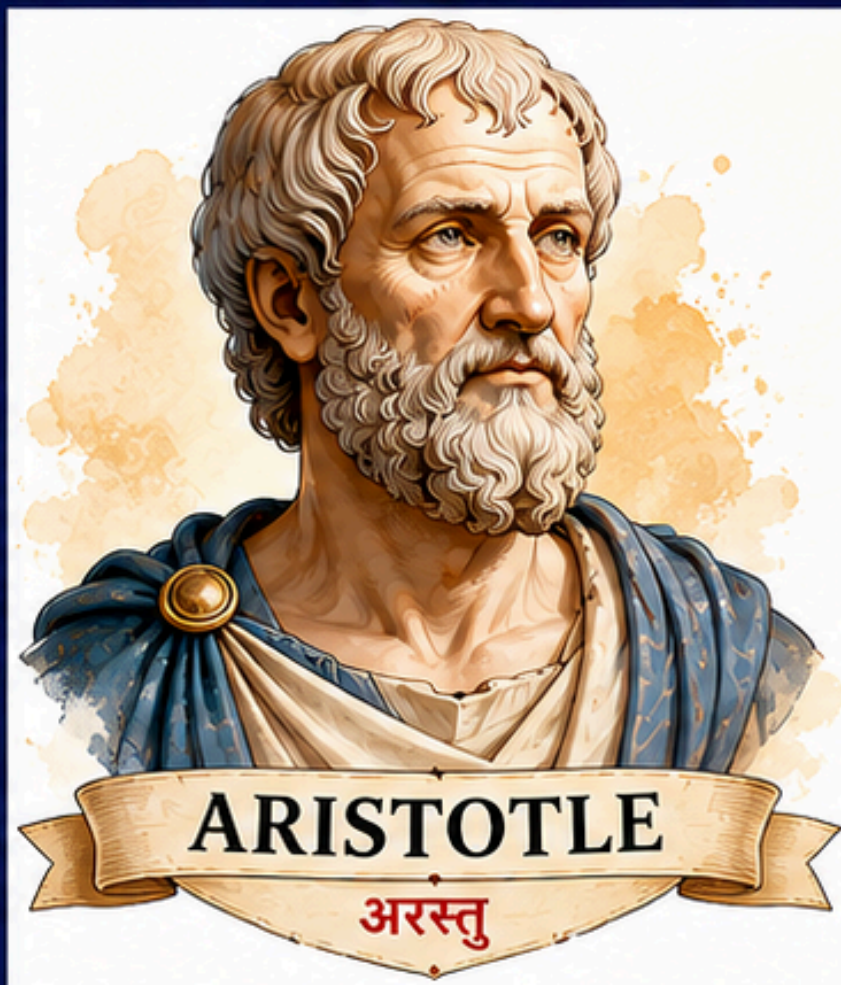
JRF Media Academy by Rohit



GOLDEN MEAN

According to Aristotle Moral behavior is the mean between two extremes – at one end is excess, and at the other deficiency.

अरस्तु के अनुसार नैतिक व्यवहार दो चरम सीमाओं के बीच का मध्यम मार्ग है – एक और अति (अधिकता), और दूसरी और कमी (अभाव)।



ABOUT ARISTOTLE अरस्तु के बारे में

Aristotle was a Greek philosopher who emphasized that virtues lie between two extremes.

अरस्तु एक यूनानी दार्शनिक थे जिन्होंने बताया कि गुण दो चरम सीमाओं के बीच होते हैं।

GOLDEN MEAN सिद्धान्त



Moral behavior is not about extremes, but about balance and moderation.

नैतिक व्यवहार अतिरेक में नहीं, बल्कि संतुलन और मध्यमार्ग में है।



EXCESS

अति (अधिकता)

foolhardiness (उतावलापन)

vanity (व्यर्थ अभिमान)

timidity (भयभीत होना)

apathy (उदासीनता)

buffoonery (मूर्खतापूर्ण व्यवहार)

arrogance (अहंकार)

bashfulness (अत्यधिक संकोच)

vulgarity (असभ्यता)

obsessiveness (जुनूनी व्यवहार)

asceticism (कठोर तपस्या)



THE GOLDEN MEAN

मध्यम मार्ग (संतुलन)

courage (साहस)

rightful pride (उचित आत्मसम्मान)

gentleness (कोमलता)

patience (धैर्य)

witness (सजगता)

truth of oneself (आत्मसत्यता)

modesty (विनम्रता)

social magnificence (सामाजिक महानता)

perseverance (धैर्यपूर्वक प्रयास)

temperance (संयम)



DEFICIENCY

कमी (अभाव)

cowardice (सायरता)

undue meekness (अतिरिक्त विनम्रता)

wrathfulness (क्रोधशीलता)

aggression (आक्रमकता)

boorishness (असभ्य व्यवहार)

false-modesty (दिखावे की विनम्रता)

flamboyance (दिखावटीपन)

small-mindedness (छोटा दृष्टिकोण)

laziness (आलस्य)

lack of self-restraint (आत्मसंयम की कमी)



COURAGE (साहस)

Not rash (उतावला),
not cowardly (कायर),
but courageous (साहसी)।



RIGHTFUL PRIDE (उचित आत्मसम्मान)

Not vain (व्यर्थ अभिमान),
not self-deprecating (आत्महीन),
but rightful pride (उचित आत्मसम्मान)।



GENTLENESS (कोमलता)

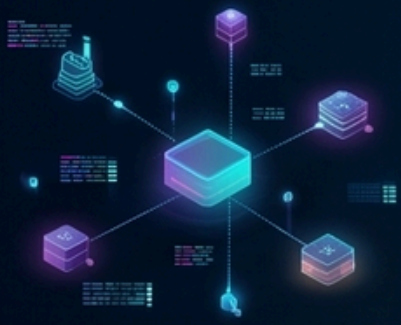
Not timid (भयभीत),
not aggressive (आक्रामक),
but gentle (कोमल)।



TEMPERANCE (संयम)

Not indulgent (भोगी),
not ascetic (अत्यधिक त्यागी),
but temperate (संयमी)।





Potter Box of Moral Reasoning

पाँटर बॉक्स: नैतिक तर्क का ढांचा



- It is commonly used by media and communication ethics scholars and practitioners.
- It was developed by Ralph B. Potter, Jr.

- यह आमतौर पर मीडिया और संचार नैतिकता विद्वानों और चिकित्सकों द्वारा उपयोग किया जाता है।
- इसे राल्फ बी. पाँटर, जूनियर द्वारा विकसित किया गया था।

The Potter Box method requires us:

- to precisely define the situation or dilemma and then to think about it.
- the underlying values of each case... the most important
- the principles which are most important to apply
- the conflicting loyalties to the one might hold to the various stakeholders in the case.

पाँटर बॉक्स विधि हमें आवश्यक करती है:

- स्थिति या दुविधा को सटीक रूप से परिभाषित करने...
- प्रत्येक मामले के अंतर्निहित मूल्यों के लिए सबसे महत्वपूर्ण के लिए...
- उन सिद्धांतों के लिए जिन्हें लागू करना सबसे महत्वपूर्ण है
- उन परस्पर विरोधी वफादारियों के लिए जो कोई मामले में विभिन्न हितधारकों के प्रति रख सकता है।

दी पाँटर बॉक्स

DEFINITION

परिभाषा: स्थिति में उत्पन्न होने वाले सभी तथ्य/मुद्दे



VALUES

मूल्य: सौंदर्यशास्त्रीय, व्यावसायिक, व्यावसायिक, तर्कसंगत, नैतिक, सामाजिक-सांस्कृतिक

LOYALTIES

वफादारियाँ: निर्णय लेने वाले की वफादारी या निष्ठा किसके प्रति है



PRINCIPLES

सिद्धांत: नैतिक दर्शन या तर्क के तरीके जो तथ्यों/स्थिति पर लागू हो सकते हैं



Quiz / प्रश्नोत्तरी

Question: Which of the following methods or models is used to make decisions related to ethical dilemmas in media?

1. Fog Index

3. Freytag Pyramid

प्रश्न: मीडिया में नैतिक दुविधाओं से संबंधित निर्णय लेने के लिए निम्नलिखित में से किस विधि या मॉडल का उपयोग किया जाता है?

2. Flesch Method

4. Potterbox

